Geography (Honours)

Geography of Asia. (एशिया का भूगोल)

Paper-II, Unit-I.

Topic → (Natural Vegetation of Asia.)
(एशिया की प्राकृतिक वनस्पति)

Objective (उद्देश्य): प्राकृतिक वनस्पति मानव सभ्यता के विकास एवं अस्तित्व कायम रहने के लिए नितान्त आवश्यक होते हैं। संसाधन के रूप में ये मनुष्यों को अनेकानेक सामग्रियाँ उपलब्ध करते ही हैं, एवं पर्यावरण को संतुलित बनाने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इतना ही नहीं पारिस्थितिकी (Ecology) सन्तुलन के लिए भी ये आधार ही हैं। Natural Vegetation का मूल उद्देश्य यही है कि एशिया महादेश के विभिन्न भागों में पायी जाने वाली वनस्पतियों के स्वरूप पर जलवायु की क्षेत्रीय भिन्नता को पहचानकर उनका विश्लेषण करना है।

परिचय (Introduction): प्राकृतिक वनस्पति, प्रकृति में स्वतः उगने वाले वनस्पतियों को ही प्राकृतिक वनस्पति कहते हैं। विश्व के विभिन्न भागों में विभिन्न प्रकार के भौगोलिक तत्व पाए जाते हैं अतः अलग-अलग भौगोलिक वातावरण में भिन्न-भिन्न प्रकार के वनस्पतियाँ पाई जाती हैं। प्राकृतिक वनस्पतियां निम्न तत्वों पर निर्भर होती हैं। जैसे-

1. तापमान
2. वर्षा की मात्रा
3. मिट्टी का स्वरूप
4. प्रकाश
5. हवा
6. मिट्टी, etc.

एशिया महाद्वीप की विशाल अक्षांशीय स्थिति तथा विस्तृत क्षेत्रफल के कारण जलवायु में विविधता पाई जाती है। जिसका प्रभाव यहाँ के प्राकृतिक वनस्पति पर दिखाई देता है। इस महाद्वीप के प्रत्येक जलवायु प्रदेश में अलग प्रकार की वनस्पति पाई जाती है। एशिया की वनस्पति के सन्दर्भ में कहा गया है कि:- "Vegetation is the true index of climate," जलवायु के प्रभाव के परिणाम स्वरूप यहाँ निम्नलिखित वनस्पति प्रदेश मिलते हैं।

(1) उष्ण आर्द्र सदाबहार वन: - इन क्षेत्रों की जलवायु उष्ण और आर्द्र है। इसी कारण यहाँ सदाबहार सघन वन पाए जाते हैं। यहाँ के वृक्ष लम्बे कठोर तथा विभिन्न रंगों के होते हैं। इन वनों का आर्थिक महत्व कम है। इन वनों में रबड़, आबनूस, ताड़, गटापार्चा, महोगनी, सिनकोना, बाँस, बेंत, झाड़ियाँ आदि वृक्ष पाए जाते हैं। इस प्रकार की वनस्पति एशिया के इण्डोनेशिया, मलेशिया, श्रीलंका, पूर्वी भारत आदि देशों में पाई जाती है।

(2) मानसूनी पतझड़ वन → इन क्षेत्रों की वनस्पतियाँ वर्षा की -

विभिन्नता के कारण अलग-अलग प्रकार की होती हैं। जहाँ वर्षा की मात्रा 200 cm से ज्यादा है वहाँ चौड़ी पत्ती वाले सदाबहार वन पाए जाते हैं। 100-200 cm के बीच चौड़ी पत्ती वाले पतझड़ वन पाए जाते हैं। जिसमें साल, सागवान, ओक, शीशम, यूकेलिप्टस, आम, अर्जुन और कचनार वृक्ष पाए जाते हैं। कम वर्षा वाले क्षेत्रों में छोटे-छोटे वृक्ष तथा झाड़ियाँ एवं काँटेदार पौधे पाए जाते हैं।

(3) शीतोष्ण मानसूनी वनस्पति →

इस प्रकार की वनस्पति सम शीतोष्ण प्रदेश में मिलती है। यह एशिया के जापान, कोरिया, मंचूरिया, उत्तरी चीन में पाई जाती है। उच्च अक्षांशीय स्थिति, कम वर्षा और ऊँचाई के कारण यहाँ पतझड़ और सदाबहार दोनों प्रकार के वन पाए जाते हैं। इन वनों में मुलायम लकड़ी के वृक्ष मेपल, चेस्टनट, चीड़, हेमलॉक तथा कठोर लकड़ी के वृक्ष, शहतूत, कपूर, मैगनोलिया आदि पाए जाते हैं।

(4) भूमध्यसागरीय वनस्पति :—

एशिया के भूमध्यसागरीय तटीय क्षेत्रों में इस प्रकार की वनस्पति पाई जाती है। इस प्रदेश में जाड़े में वर्षा तथा शुष्क-उष्ण ग्रीष्म-ऋतु के बावजूद भी सदाबहार वृक्ष पाए जाते हैं। इस प्रदेश के वृक्षों की पत्तियाँ मोटी, चिकनी तथा छाल मोटे होते हैं जिस कारण इनके वाष्पीकरण कम होती है। इन वनों के मुख्य वृक्ष जैतून, ओक, अंजीर, अंगूर, नींबू, नारंगी, शहतूत इत्यादि हैं।

(5). शीतोष्ण घास प्रदेश :— Mak रहेगा :-

इसे स्टेपी घास का मैदान भी कहा जाता है। यह रूस के दक्षिणी छोर पर, दक्षिणी-पूर्वी साइबेरिया, मंगोलिया और मध्यवर्ती अनातोलिया में स्थित है। इस क्षेत्र में गर्मी में उच्च तापमान, कम वर्षा तथा जाड़े में शुष्कता के कारण तथा कम तापमान के कारण घास उगती हैं। इस प्रदेश में पशुपालन मुख्य रूप से होता है।

(6) गर्म मरुस्थलीय वनस्पति प्रदेश :—

एशिया के उष्ण मरुस्थलों में अत्यधिक गर्मी तथा कम वर्षा के कारण काँटेदार झाड़ियाँ उगती हैं। इनका क्षेत्र अरब, इराक, ईरान, अफगानिस्तान, बलूचिस्तान, सिन्ध तथा थार में स्थित है। इन वनस्पतियों में कँटीली झाड़ियाँ, बबूल, कीकर, खजूर, नागफनी तथा कैक्टस जाति के पौधे पाए जाते हैं।

(7) शीतोष्ण मरुस्थलीय वनस्पति प्रदेश :—

यह वनस्पति मध्य एशिया के (गोबी) मरुस्थल, तिब्बत और मंगोलिया के पश्चिमी भागों में पाई जाती है। इन क्षेत्रों में कम वर्षा के कारण घास और कँटीली झाड़ियाँ उगती हैं। यह भाग पहाड़ी प्रदेशों से घिरे होने के कारण वृष्टि छाया में पड़ने से कम वर्षा पाता है।

(8) टैगा वनस्पति प्रदेश :- ये वनस्पति सम्पूर्ण साइबेरिया के उत्तरी भाग के एक लम्बी-चौड़ी पेटी के रूप में पाए जाते हैं। इन्हें कोणधारी पत्ती वाले सदाबहार वन या टैगा वन कहा जाता है। यह वनस्पति साइबेरिया मध्य साइबेरिया; Central Siberian Plateau, Yakutia, Kamchatka Peninsula, Sakhalin Island में पाई जाती है। इस वन के प्रमुख वृक्ष हैं, Spruce, Fir, Cedar, Larch and Pine. इन वृक्षों का आर्थिक महत्व अत्यधिक है। इन वनों के वृक्षों पर अनेक लकड़ी उद्योग, कागज उद्योग, फर्नीचर उद्योग आधारित है।

(9) टुण्ड्रा वनस्पति :→

यह वनस्पति एशिया महादेश के उत्तरी भाग में आर्कटिक महासागर के किनारे पाया जाता है। अत्यधिक ठंड के कारण यहाँ 9-10 महीने तक बर्फ से भूमि ढकी रहती है। इस समय में यहाँ घास (Grasses), झाड़ी (Shrubs), काई (mosses), लाइकेन (Lichens) (Type of fungus) उगते हैं। ग्रीष्म ऋतु में जब बर्फ पिघलती है तो फूलों की झाड़ियों वाले पौधे उगते हैं। इन झाड़ियों की ऊँचाई केवल कुछ ही इंच होती है।

निष्कर्ष (Summing-up) :-

उपरोक्त विश्लेषणों से स्पष्ट है कि एशिया महादेश की प्राकृतिक वनस्पतियों में व्यापक पर विभिन्नताएं रहती हैं; जो जलवायु की प्रादेशिक भिन्नता से पूरी तरह नियंत्रित हैं। इन्हीं विभिन्नताओं के आधार पर महादेश के विविध प्रकार के प्रमुख वनस्पति प्रदेश पहचाने गए हैं। इस प्रकार अध्ययन क्षेत्र को 9 (नौ) वनस्पति विभागों में विभक्त किया गया है।

विभिन्न प्रकार के वनस्पति प्रदेश के अन्तर्गत सम्मिलित व्यापक भू-भाग में भी चूँकि स्थानीय जलवायविक कारकों में पर्याप्त क्षेत्रीय विभिन्नताएं पाई जाती हैं इसलिए ऐसे वनस्पति प्रदेशों को भी कई उप प्रदेशों में विभक्त किया गया है, हालांकि इन तमाम हिस्सों खासकर नदी घाटियों में अति प्राचीन काल से ही मानवों का निवास रहा है। इसलिए मानवीय कुठारों ने अति प्राचीन काल से ही यहाँ के वृक्षों का विनाश प्रारम्भ कर दिया था। इन्हीं कारणों से एशिया की नदी घाटियों एवं समतल मैदानों के क्षेत्र में पर्यावरण का गम्भीर संकट उत्पन्न हो गया है। इसके लिए समुचित वन संरक्षण एवं प्रबंधन की आज नितान्त आवश्यकता है। आज समय की सर्वाधिक महत्वपूर्ण माँग यही है।

Modal Questions

Q① एशिया को प्राकृतिक वनस्पतियों प्रदेश में विभक्त करें एवं उनकी ~~किसी एक का वर्णन~~ व्याख्या मानचित्र सहित करें।

Q② एशिया महाद्वीप को वनस्पतिक प्रदेशों में विभाजित कीजिए और प्रत्येक की प्रमुख विशेषतायें बताएँ?

Q③ एशिया की प्राकृतिक वनस्पति का वर्गीकरण कीजिए तथा समझायें कि विभिन्न प्रकार की वनस्पति के लिए उत्तरदायी तत्व कौन-कौन से हैं?

GOVERMENT DEGREE COLLEGE, MADHUBAN, PAKARIDAYAL
EAST CHAMPARAN, (BIHAR).

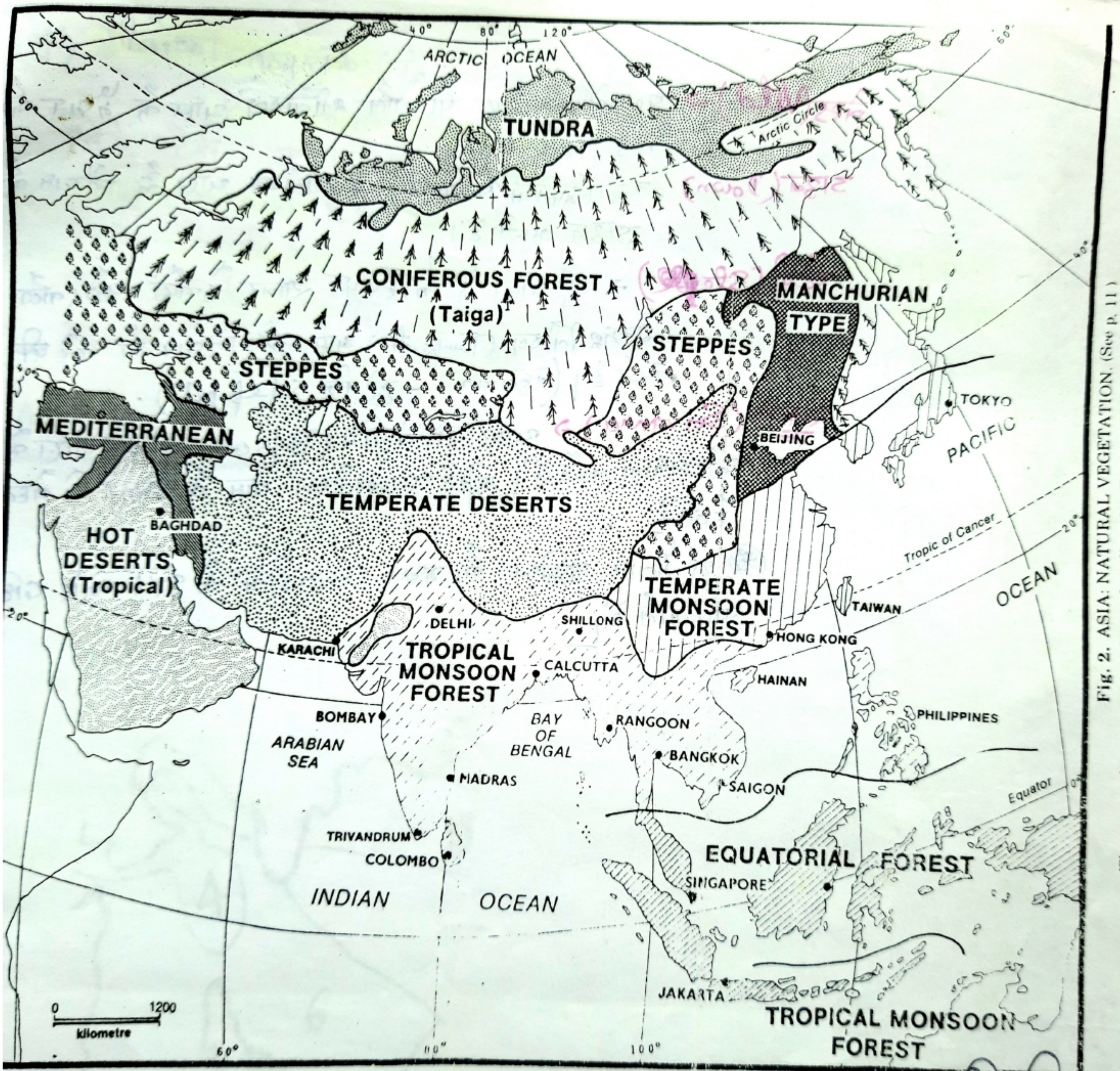

Fig. 2. ASIA: NATURAL VEGETATION. (See p. 11)

The natural vegetation reflects the climatic (Temperature and rainfall) conditions. Altitude and soil conditions also influence natural vegetation. Compare this map with Figs. 5 and 6.

Natural Vegetation

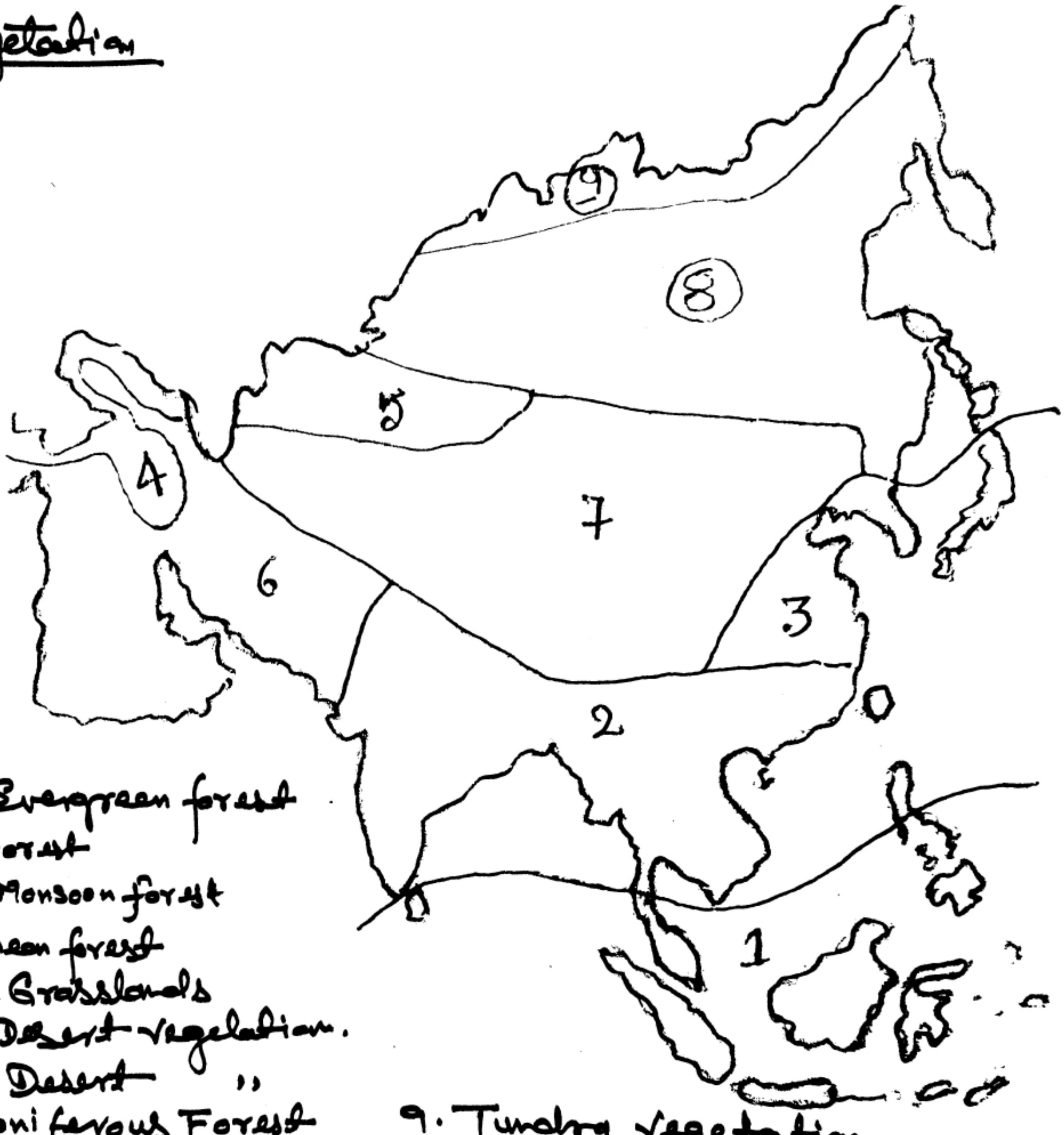

1. Equatorial Evergreen forest
2. Monsoon Forest
3. Temperate Monsoon forest
4. Mediterranean forest
5. Temperate Grasslands
6. Tropical Desert vegetation.
7. Temperate Desert "
8. Taiga/Coniferous Forest
9. Tundra vegetation.